तापमान
अधिकतम 41.0 डिग्री
न्यूनतम 23 .5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 25 मई 2025

12 100 मीटर दौड़ में परमिता प्रथम, सिमरन रही द्वितीय

12 सेना के वीरों के सम्मान में ली शपथ, निकाली पदयात्रा

खबर संक्षेप

सूने घर से लाखों की कीमत के गहने चोरी

यमुनानगर। गांव शेरपुर में चोरों ने सूने घर में घुसकर करीब नौ लाख 40 हजार रुपये के सोने व चांदी के जेवर चोरी कर लिए। घटना के समय परिवार के सदस्य किसी काम से बाहर गए थे। वापस लौटने पर चोरी की वारदात का पता चला। पुलिस ने फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जरूरी सबूत जुटाए। बाद में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव शेरपुर निवासी मोनिका ने छछरौली थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पांच मई को घर का ताला लगाकर किसी काम से बाहर गई थी। देर शाम जब वह घर लौटे तो घर में सामान बिखरा हुआ था। जांच करने पर घर से करीब 12 तोले सोने के जेवर तथा चांदी के आभूषण गायब मिले। चोरी हुए आभूषणों की कीमत करीब नौ लाख 40 हजार रुपये है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट टीम के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने मौके से जरूरी सबूत जुटाए। बाद में पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

कैबिनेट मंत्री ने पृथ्वीराज चौहान जयंती समारोह का लोगों को दिया निमंत्रण

महान योद्धा थे पृथ्वीराज चौहान, मोहम्मद गौरी को कई बार दी शिकस्त : श्याम राणा

सीएम नायब सैनी होंगे जयंती समारोह में मुख्यातिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पृथ्वी राज चौहान महान योद्धा थे। शब्दभेदी बाण चलाने में वे निपुण थे। पृथ्वी राज चौहान व वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत हैं।

- 29 मई को गांव सालवान में राज्य स्तरीय तौर पर मनाया जाएगा जयंती समारोह

29 मई को गांव सालवान में महाराणा प्रताप जयंती राज्य स्तरीय तौर पर मनाई जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। राणा शनिवार को राजपूत छात्रावास में आयोजित जिला स्तरीय पृथ्वीराज चौहान जंयती कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि पहुंचे थे।

इस मौके पर उन्होंने सालवान में 29 मई को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम का निमंत्रण देते हुए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने के लिए आह्वान किया। उन्होंने इस मौके पर महाराणा प्रताप भवन के निर्माण के लिए 11 लाख रूपए देने की घोषणा भी की। इससे पहले सभा के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि व अन्य वशिष्ठ अतिथियों को पगड़ी व तलवार भेंट कर उनका भव्य अभिनंदन भी किया। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला, असंध से विधायक योगेंद्र राणा, भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, करनाल से डॉ. नरेंद्र प्रताप विशेष तौर पर मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने इस मौके पर उपस्थित सभी को हिंदू सम्राट पृथ्वी राज चौहान की जन्म जयंती की सभी को बधाई दी। पृथ्वी राज चौहान ने मोहम्मद गौरी को कईं बार युद्ध में परास्त भी किया था। उन्होंने कहा कि इस जयंती के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर उन्होंने प्रदेश के सभी ब्लॉकों व जिलों में पहुंचकर लोगों को पहुंचने के लिए निमंत्रण भी दिया है।

पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल नन्यौला ने भी हिन्द सम्राट पृथ्वी राज चौहान की जयंती की बधाई देते हुए कहा कि यह समाज इतना मजबूत है कि जब भी देश को इसकी जरूरत हुई, इसने आगे आकर अपना अहम योगदान दिया। देश की रक्षा के लिए तलवार उठाई। उन्होंने कहा कि यहां पर भव्य महाराणा प्रताप भवन बनाया जा रहा है। इस अवसर पर असंध विधायक योगेंद्र राणा ने भी कहा कि आप लोगों का हमेशा से ही मुझे पूरा प्यार व स्नेह मिला है। हम 24 घंटे आपकी सेवा के लिए तत्पर हैं।

पानीपत। कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा का अभिनंदन करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा, करनाल राजपूत सभा के प्रधान डॉ. नरेंद्र प्रताप, राजपूत सभा के उप प्रधान जय सिंह राणा, जरनल सैक्रेटरी मामचंद चौहान,, सचिव प्रदीप राणा, प्रदेश सचिव राहुल राणा, प्रोफेसर एमपी सिंह, कर्मचंद गोल्डी, विवेक गुप्ता, राम बहादुर राणा ककराली, मदन मोहन धेल, विशाल राणा, अनूप सिंह चौहान, डिंपल राणा, एडवोकेट राज महक राणा,बृजपाल राणा, जसमेर राणा, राजकुमार राणा दुखेडी, किरणपाल, रवि पाल, जयपाल, मान सिंह, धनराज राणा, आरपी सिंह पुंडीर, सुरेंद्र जलबेड़ा, विक्की राणा भी मौजूद रहे।

सेल्समैन को आधा किलोमीटर तक थार से घसीट ले गए

कुरुक्षेत्र। थार की खिड़की पर लटका सेल्समैन।

तेल भरवाकर रुपये बिना दिए थार चालक हो गए फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

- पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद, पुलिस जांच में जुटी
- नीचे गिरने से सेल्समैन को आई काफी खरोंचें

जीटी रोड पर गांव रतनगढ़ के पेट्रोल पंप पर ड्यूटी कर रहे एक सेल्समैन को थार चालक ने जान से मारने की धमकी देते हुए चलती गाड़ी से धक्का देकर नीचे फेंक दिया। साथ ही सेल्समैन को आधा किलोमीटर तक थार से घसीटते रहे, फिर सेल्समैन को गाड़ी से गिरा कर फरार हो गए। आरोपियों ने पेट्रोल पंप से तेल भरवाया और जब पैसे देने की बारी आई तो भाग खड़े हुए।

मानसरोवर फिलिंग स्टेशन जीटी रोड गांव रतनगढ़ के संचालक हरीश कवातरा ने इसकी शिकायत शाहबाद पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। हरीश कवातरा ने बताया कि शुक्रवार सांय एक काले रंग की थार मानसरोवर फिलिंग स्टेशन जी.टी. रोड गांव रतनगढ़ पर आई। उस थार में दो लड़के थे। जो गाड़ी चला रहा था उसने कहा टंकी फुल कर दो। सेल्समैन सुखविन्द्र ने टंकी फुल कर दी उसमें 361 रुपये का डीजल डला। जब जसविन्द्र ने पैसे मांगे को कहने लगे पेमैंट ऑनलाइन कर दी है। जब सेल्समैन ने कहा पैमेंट नही आई तो कहने लगे पीछे हट नही तो गाड़ी तेरे ऊपर चढा दूंगा। जब सेल्समैन के ऊपर चढ़ाने लगा तो सेल्समैन ने साईड में हटकर गाड़ी की खिड़की पकड़ ली और साथ लटक गया।

गाड़ी धीमी कर धकेला

इतने में ड्राइवर ने गाड़ी भगा ली और लगभग आधा कि.मी. जाने के बाद कहने लगे कि अब छोड़ दे नहीं तो गोली लगेगी। सेल्समैन ने कहा कि चला गोली, ऐसे नही छोड़ता, तो गाड़ी धीमी करके सेल्समैन को नीचे धकेल दिया जिससे उसको काफी खरोंचें आई। वहीं सारी वारदात फिलिंग स्टेशन पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दो गुटों में चले ईंट-पत्थर, पानी की टंकियां क्षतिग्रस्त

अंबाला। रंजिशन दो गुटों के बीच जमकर ईंट-पत्थर चले। इस दौरान कई घरों की वाटर स्टोरेज की टंकियां टूट गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात पर काबू पाया और लोगों को पत्थरबाजी से रोका। घटना देर शाम की है।

दरअसल टांगरी बांध रोड पर परशुराम मंदिर के पास रंजिश के चलते दो गुटों में झगड़ा हो गया।

- सूचना के बाद पुलिस ने स्थिति पर पाया काबू, पत्थरबाजी के दौरान कई घरों की खिड़कियां भी टूटीं

दोनों पक्षों के लोगों ने एक-दूसरे पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस के पहुंचने के बाद मौके पर शांति हो गई। इस पत्थरबाजी में आसपास के कई घरों के खिड़की व दरवाजे भी टूटे हैं। कुछ दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों के घरों में रखीं चीजों को नुकसान पहुंचा है। सूचना पाकर पुलिस बल मौके पर पहुंचा मार्च भी निकालकर आरोपियों को काबू करने का प्रयास किया। महेश नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अजीत ने बताया कि पथराव के दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

चीपर मशीन से कटकर प्रवासी मजदूर की मौत

यमुनानगर। थाना यमुनानगर सदर क्षेत्र के खजूरी रोड स्थित प्लाईवुड फैक्ट्री की चीपर मशीन में कट कर मजदूर की मौत हो गई। मशीन में आने से मजदूर के शरीर के छोटे-छोटे कई टुकड़े हो गए, जिससे उसकी शिनाख्त भी नहीं हो पा रही थी।

- छोटे छोटे टुकड़ों में बंटा शव पुलिस ने बिहार में मृतक के परिजनों को दी सूचना

मौके पर पहुंची पुलिस ने एक पन्नी में उसके शरीर के टुकड़ों को एकत्रित किया और बिहार में उसके परिजनों को सूचना दे दी है। मूल रूप से बिहार के बीरोखेड़ी निवासी विजय कुमार (21) कुछ महीने पहले यहां मजदूरी के लिए आया था। यहां पर खजूरी रोड स्थित अग्रवाल प्लाईवुड में चिपर मशीन पर काम करता था। शनिवार दोपहर फैक्ट्री में उक्त मशीन पर काम करते हुए अचानक वह मशीन में आ गया और उसके शरीर के कई छोटे-छोटे टुकड़े हो गए। फैक्ट्री के कुछ जिम्मेदार भी मौके पर पहुंचे और मशीन को तुरंत रूकवाया गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पता लगा तो थाना पुलिस भी पहुंची। उधर विजय के परिजनों को सूचना दे दी है, जो वहां से निकल चुके हैं।

NEW HAPPY SR. SEC. SCHOOL

(Permanent Recognised) SINCE 1972

LUXMI GARDEN, YAMUNA NAGAR

EXCELSIOR

100% Result

Congratulations to all Students, Parents & Staff Members

XII Achievers

Subject-wise Highest Marks

Maths - 100, Acct. - 99, Phy. Edu. - 99
Comp. Sci. - 98, Busi. Stud. - 97,
Biology - 96, English - 95, Pol. Sci. - 95

Aastha 97% (Commerce) | Bhoomika 96.6% (Commerce) | Sakshi 90.8% (Commerce) | Simran 88.8% (Arts) | Prachi 88.4% (Non-Med.)

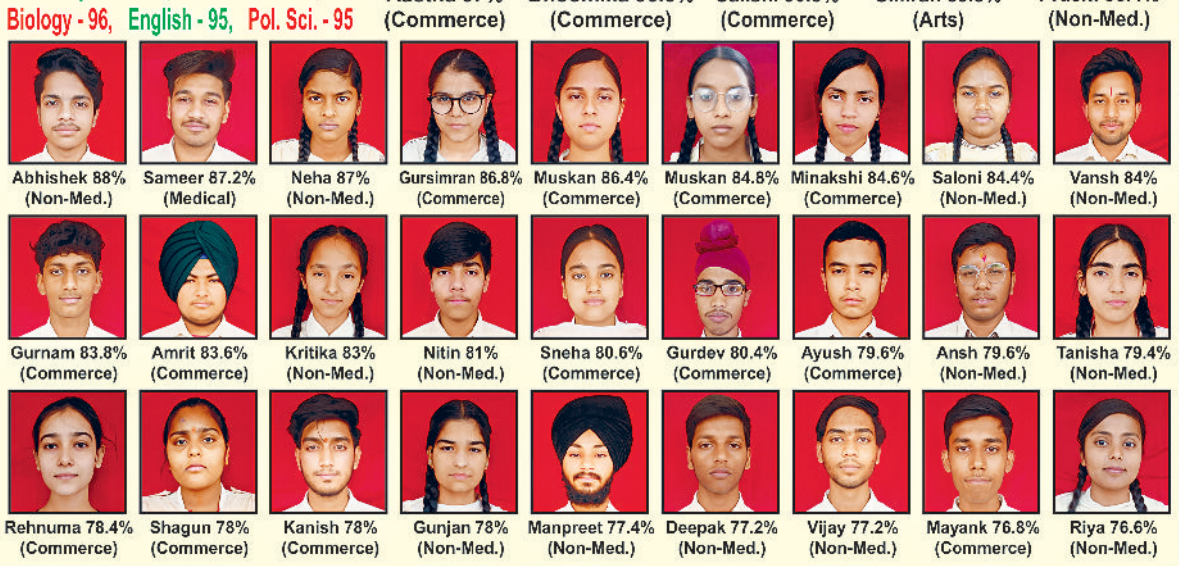

Abhishek 88% (Non-Med.) | Sameer 87.2% (Medical) | Neha 87% (Non-Med.) | Gursimran 86.8% (Commerce) | Muskan 86.4% (Commerce) | Muskan 84.8% (Commerce) | Minakshi 84.6% (Commerce) | Saloni 84.4% (Non-Med.) | Vansh 84% (Non-Med.)

Gurnam 83.8% (Commerce) | Amrit 83.6% (Commerce) | Kritika 83% (Non-Med.) | Nitin 81% (Non-Med.) | Sneha 80.6% (Commerce) | Gurdev 80.4% (Commerce) | Ayush 79.6% (Commerce) | Ansh 79.6% (Non-Med.) | Tanisha 79.4% (Non-Med.)

Rehnuma 78.4% (Commerce) | Shagun 78% (Commerce) | Kanish 78% (Commerce) | Gunjan 78% (Non-Med.) | Manpreet 77.4% (Non-Med.) | Deepak 77.2% (Non-Med.) | Vijay 77.2% (Non-Med.) | Mayank 76.8% (Commerce) | Riya 76.6% (Non-Med.)

Our Gems of Class - X

Angel 94.6% | Manisha 93% | Akshra 91.6% | Ritik 91.6% | Lovish 90.8% | Harsh 89.8% | Ritika 88%

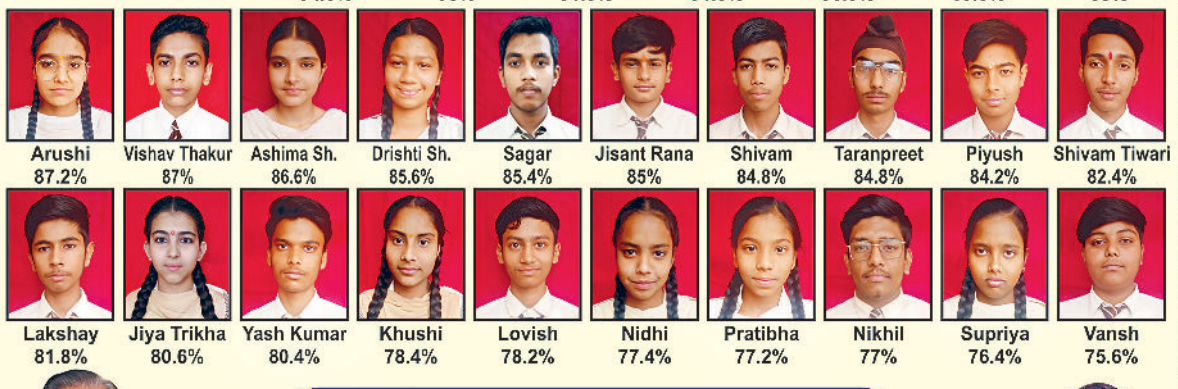

Arushi 87.2% | Vishav Thakur 87% | Ashima Sh. 86.6% | Drishti Sh. 85.6% | Sagar 85.4% | Jisant Rana 85% | Shivam 84.8% | Taranpreet 84.8% | Piyush 84.2% | Shivam Tiwari 82.4%

Lakshay 81.8% | Jiya Trikha 80.6% | Yash Kumar 80.4% | Khushi 78.4% | Lovish 78.2% | Nidhi 77.4% | Pratibha 77.2% | Nikhil 77% | Supriya 76.4% | Vansh 75.6%

Subject-wise Highest Marks

Maths - 99 ★ Phy. Edu. - 99 ★ Science - 98 ★ English - 98
S.St. - 96 ★ Hindi - 94 ★ Sanskrit - 91 ★ Punjabi - 83

G.S. Sharma Chairman

Kamlesh Sikka Principal

Vishwas Kashyap Secretary

HOLY MOTHER PUBLIC SCHOOL (10+2)

(Affiliated to C.B.S.E., Delhi)

Ratouli Road, Kansapur, Yamuna Nagar Ph. : 9729266908

Congratulations to all Students, Parents & Staff Members

Excellent Result

Our Toppers of Class - XII

Shivansh 94% (Non-Med.) | Priya 92.6% (Comm.) | Preeti 91% (Comm.) | Shagunpreet 90% (Comm.) | Manjul 90% (Arts) | Harpreet K. 89% (Medical) | Poras 88% (Non-Med.) | Kanwalpreet 88% (Arts)

Mehak 85.4% (Medical) | Rohit 85.2% (Medical) | Vasundhra 84.6% (Medical) | Deepanshu 83% (Arts) | Ridhima 82.6% (Super Sci.) | Nikhil 82.4% (Non-Med.) | Samiksha 81% (Comm.) | Vanshika 81% (Comm.)

Ashia 81% (Medical) | Kawaljeet 80% (Comm.) | Paras 80% (Arts) | Rajkrishna 80% (Arts) | Yuvraj 80% (Arts) | Ishika 80% (Arts) | Tanisha 79% (Arts) | Parul 78% (Arts) | Sameer 78% (Arts)

Yashika 77.6% (Comm.) | Sheetal 77.2% (Comm.) | Aditya 76% (Comm.) | Harshit 75.8% (Comm.) | Jashandeep 75% (Arts) | Mayank 75% (Arts) | Rudraksh 75% (Arts) | Sonam 75% (Comm.) | Aradhana 75% (Non-Med.)

Subject-wise Highest Marks

Music 100
Maths 97
Accounts 96
Economics 96
English 95
Chemistry 95
Physical 95
Hindi 95
Physics 93
Business 93
Biology 90
History 90
Pol. Sci. 90

Shining Stars of Class - X

Aditya Verma 94% | Aakash 91% | Devansh 90.2% | Sakshi 90% | Daksh 89.6% | Vansh Patel 89% | Mansi 88.8% | Param 86.6%

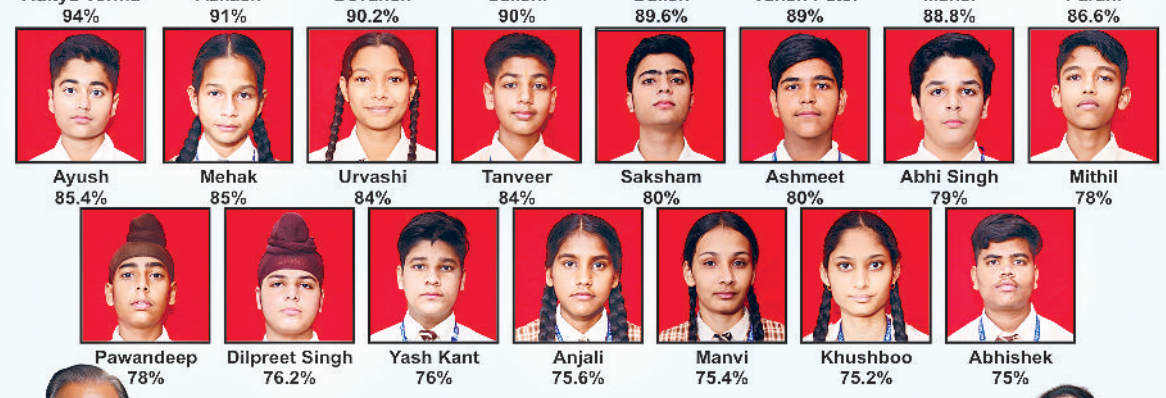

Ayush 85.4% | Mehak 85% | Urvashi 84% | Tanveer 84% | Saksham 80% | Ashmeet 80% | Abhi Singh 79% | Mithil 78%

Pawandeep 78% | Dilpreet Singh 76.2% | Yash Kant 76% | Anjali 75.6% | Manvi 75.4% | Khushboo 75.2% | Abhishek 75%

Subject-wise Highest Marks

Social Study - 96 ✤ Science - 95
Maths - 95 ✤ English - 95
Info. Tech. - 95 ✤ Hindi - 94

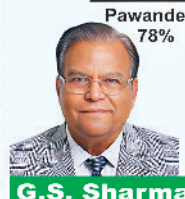

G.S. Sharma Chairman

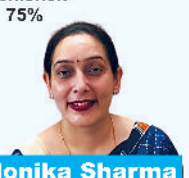

Monika Sharma Principal

अब डिवाइडर और सड़कों के किनारे भी साफ करेगी रोड स्वीपिंग मशीन

डिवाइडर की सफाई के लिए फर्म व सफाई निरीक्षक को मशीन के साथ अतिरिक्त कर्मी तैनात करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर द्वारा शहर में रोड स्वीपिंग मशीन से द्वारा सड़कों पर साफ सफाई के लिए चलाए जा रहे अभियान का शनिवार को निगम के सीएसआई अनिल नैन ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डिवाइडरों पर गंदगी पड़े होने पर उन्होंने संबंधित फर्म व सफाई निरीक्षक को रोड स्वीपिंग मशीन के साथ एक अन्य कर्मचारी तैनात कर डिवाइडर के ऊपर व सड़क के किनारे साफ करने के निर्देश दिए।

मुख्य सफाई निरीक्षक अनिल नैन ने बताया कि नगर निगम द्वारा रेलवे रोड, वर्कशॉप रोड व जगाधरी रोड समेत कई मुख्य मार्गों की सफाई का कार्य रोड स्वीपिंग मशीन से करवाया जा रहा है। मशीन से डिवाइडर के साथ सड़क किनारे व पूरी सड़क को साफ किया जा रहा है। लेकिन डिवाइडर पर जमा गंदगी को साफ नहीं किया जा रहा। तेज हवा आने पर डिवाइडर पर जमा गंदगी फिर सड़क पर आ जाती है।

मशीन रूकवाकर कर्मियों से बात

मेयर सुमन बहमनी व नगर निगम आयुक्त अखिल पिलानी के निर्देशों पर शनिवार को उन्होंने रेलवे रोड व वर्कशॉप रोड पर रोड स्वीपिंग मशीन से की जा रही सफाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मशीन को रुकवाकर चालक व साथी कर्मचारी से बातचीत की। जिन्होंने बताया कि मशीन से केवल सड़क साफ की जाती है। डिवाइडर नहीं। डिवाइडर की सफाई के लिए अतिरिक्त कर्मचारी की आवश्यकता है।

डिवाइडर की सफाई के लिए पड़ती है अलग कर्मचारी की जरूरत

- सीएसआई अनिल नैन ने किया रोड स्वीपिंग मशीन से की जा रही सफाई का निरीक्षण
- अब मशीन डिवाइडर व जमीन पर पड़ी ईंट, पत्ते व पत्थर भी करेगी साफ, खुले में न फेंके कोई कचरा

अलग अलग डालें घरों का कचरा

मुख्य स्नफाई निरीक्षक अनिल नैन ने बताया कि उन्होंने मशीन ठेकेदार व संबंधित सफाई निरीक्षक को एक कर्मचारी तैनात करने के निर्देश दिए हैं। मशीन अब के साथ डिवाइडर पर जमा पॉलिथीन ,पत्ते, ईंट, पत्थर व अन्य कचरे को साफ करेगा। ताकि सड़क के साथ साथ उनके डिवाइडर भी साफ व सुंदर दिखाई दें। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे खुले में कचरा न फेंके। कचरा केवल नगर निगम के डोर टू डोर आने वाले वाहनों में ही अलग अलग करके दे।

खबर संक्षेप

नियमित योग करने से बढ़ती है मानव में रोग प्रतिरोधक क्षमता: कांबोज

रादौर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बापा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने योग का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विद्यालय के शारीरिक शिक्षा अध्यापक एवं योग प्रशिक्षक हरीश कांबोज ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार आज स्कूल में विद्यार्थियों को प्रथम योग प्रशिक्षण दिया गया। नियमित योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अनुलोम, विलोम, भ्रामरी, कपालभाति, ताड़ासन, त्रिकोणासन जैसे योगासन का प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर स्कूल प्रधानाचार्य सुभाष चंद ने बताया कि योगासन से मन प्रसन्न रहता है। वहीं शरीर में लचीलापन आता है। जीवन शैली में होने वाली बीमारियों से बचने के लिए योग बहुत जरूरी है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए प्रत्येक मनुष्य को प्रतिदिन योग अवश्य करना चाहिए। इस अवसर पर स्योगेश शर्मा, राकेश पांचाल, सुरेश वर्मा, विवेक छाबड़ा, रजनी देवी, राजेंद्र मलिक, दीपचंद, प्रवीण कुमार व रीना रानी इत्यादि मौजूद रहे।

सुरक्षित वाहन पॉलिसी को लेकर की समीक्षा बैठक

मोबाइल ड्राइव, पटाखे बजाने और मुंह ढककर चलने वालों पर करें कार्रवाई

सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से करवाएं पालन चालकों के डीएल, आईडी आंखों की करवाएं जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय में सड़क सुरक्षा कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कमेटी के सदस्य व संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी नागरिकों को सड़क सुरक्षा के नियमों की कड़ाई से पालना करने के लिए आहवान किया।

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने कहा कि सड़क सुरक्षा न केवल एक महत्वपूर्ण विषय है। बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाकर अमूल्य जिन्दगियों को बचाया जा सकता है। युवा वर्ग नशा करके वाहन न चलाएं। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने अधिकारियों को नशा करने वालों पर कार्रवाई किए जाने और स्कूल बसों की जांच समय से और त्वरित गति से करने के लिए निर्देश दिए। मौके पर उन्होंने सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने से जहां एक व्यक्ति की जान जाती है।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में आयोजित सड़क सुरक्षा कमेटी की बैठक में दिशा निर्देश देते उपायुक्त। *फोटो: हरिभूमि।*

जीवनभर झेलता है परिवार

उसके परिवार को भी जीवन भर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए नए ब्लैक स्पॉट व दुर्घटना सम्भावित स्थानों को चिन्हित कर सड़कों की मरम्मत का कार्य विशेष प्राथमिकता से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने नेशनल हाइवे ऑथारिटी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हाइवे को जोडने वाले लिंक रोड़ पर स्पीड ब्रेकर बनाकर व बलिंकर लगाकर दुर्घटनाओं में कमी लाएं।

सड़कों पर रखे जरनेटरों को हटवाना सुनिश्चित करें अधिकारी

उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के अग्रसेन चौक से रेलवे स्टेशन तक जिन बैंकों व अस्पतालों के जरनेटर सड़क पर रखे हुए हैं उनकों वहां से हटवाएं। ताकि यातायात प्रभावित न हो और किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। उन्होंने कहा कि कमानी चौक से विश्वकर्मा चौक तक स्ट्रीट लाईट, स्पीड ब्रेकर, कैट आई और ग्रील का कार्य जल्द से जल्द करवाएं। इसी प्रकार रेस्ट हाऊस से पुलिस लाईन तक स्पीड ब्रेकर लगाएं और रक्षक बिहार चौक पर ट्रैफिक लाइट लगाएं। मोबाइल ड्राइव, पटाखे वाले वाहन, मुंह ढक कर वाहन चलाने वालो पर सख्त कार्रवाई करें। वहीं, पीडब्ल्यूडी, एमसी नगर निगम, पुलिस के अधिकारी स्वयं रूप से इसकी कार्रवाई करें। इस अवसर पर अंडर ट्रेनिंग आईएएस सुमन यादव, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, आरटीए हरतजीत कौर, जगाधरी के एसडीएम सोनू राम, बिलासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, एसडीएम छछरौली रोहित कुमार, रादौर के एसडीएम नरेन्द्र कुमार, डीएसपी राजेश कुमार व डीआरओ तरुण सहोता इत्यादि मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति में सर्वोत्तम नारी का स्थान: लता

रादौर। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में शनिवार को गांव जठलाना में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता सीडीपीओ कुसुम लता ने की। मौके पर महिलाओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं की शपथ भी ली।

सीडीपीओ कुसुम लता ने बताया कि जिला कार्यक्रम अधिकारी तरविंद्र कौर के निर्देशानुसार निकाली गई रैली के माध्यम से महिलाओं को बेटियों को बचाने के साथ साथ उनको पढ़ाने के लिए भी जागरूक किया गया। सीडीपीओ कुसुम लता ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी का सम्मान सर्वोत्तम स्थान पर है। ज्ञान प्रदान करने के रूप में मां सरस्वती, धन के रूप में मां लक्ष्मी व शक्ति के रूप में मां दुर्गा भी नारी शक्ति का ही प्रतीक हैं। महिला.सशक्तिकरण का मतलब यह नहीं है कि उन्हें दूसरों पर प्रभुत्व जमाने की शक्ति प्रदान करना है। बल्कि अपनी योग्यताओं और श्रेष्ठताओं को सिद्ध करना है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान से लिंगानुपात में काफी सुधार हुआ है। इसमें ओर भी सुधार के लिए हमें प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने मौके पर महिलाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सर्कल सुपरवाइजर मीना कांबोज, आंगनबाड़ी वर्कर व अन्य महिलाएं मौजूद रही।

हेरोइन के साथ एक युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने गांव नवाजपुर के पास से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 23 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार एंटी नारकोटिक सेल की टीम में तैनात पीएसआई सोनू ने बताया कि वह शाम को टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि गांव नवाजपुर के पास एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहा है। आरोपी नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में है। सूचना मिलते ही वह टीम के साथ मौके पर पहुंचा। इस दौरान गांव नवाजपुर के पास संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को पुलिस टीम ने हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 23 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी युवक की पहचान गांव देवधर निवासी इमरान उर्फ गुलफाम के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

- आरोपी से 23 ग्राम हेरोइन बरामद, गांव नवाजपुर के पास से किया गिरफ्तार।

ब्रैनी बंच टीम ने जीती विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

रादौर। मुकंदलाल नेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रादौर में कक्षा सातवीं से लेकर 12वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के आयोजन करने का मुख्य उदेश्य बच्चों का ज्ञानवर्धन करना रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने बताया कि विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में ब्रैनी बंच, बायो बडीज, द आइंस्टीनर्स व न्यूटन स्कवाड के नाम से चार टीमें बनाई गई। क्वाड बनाई गई। इस दौरान प्रतियोगिता में जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन व सामान्य विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में टीम ब्रैनी बंच ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता जीत ली। वहीं, न्यूटन स्कवाड टीम द्वितीय स्थान प्रापत कर उप विजेता बनी। दोनों टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते रहने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता में भाग लेने से बच्चों का ज्ञान वर्धन होता है और उनमें छिपी हुई प्रतिभा में निखार आता है। इस अवसर पर शिक्षक प्रियंका विर्दी, आरती व संध्या के मार्गदर्शन में प्रतियोगिता संपन्न हुई।

रंजिश में परिवार के तीन सदस्यों को डंडों से पीटा

यमुनानगर। साढ़ौरा थाना के नया गांव में रंजिश के चलते पिता ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर एक परिवार के तीन सदस्यों को डंडों से पीट कर घायल कर दिया। घायलों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने पिता व दो बेटों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। नया गांव निवासी शैलेंद्र पाल ने बताया कि कुछ दिन पहले उसकी गांव के ही राजकुमार के साथ विवाद हो गया था। मामला सुलझा दिया था। 21 मई की सुबह वह गांव में ही किसी काम से जा रहा था। इसी दौरान राजकुमार ने बहस के बाद अपने बेटे गुरदीप व शीशपाल के साथ उस पर डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर जब उसका भतीजा गुरदीप व रामकरण छुड़वाने आए तो उन्हें भी पीट दिया।

मॉडल संस्कृति स्कूलों में बच्चों का भविष्य हो रहा उज्जवल

यमुनानगर। राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में शनिवार को दसवीं व बारहवीं कक्षा में टॉपर रहे विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यातिथि के रुप में पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने भाग लिया। सिटी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा मौजूद रहे। पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल ने समारोह में दसवीं व बारहवीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में आने वाले टॉपर विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूलों में बच्चों का भविष्य उज्जवल हो रहा है। प्रदेश के उन बच्चों का जो महंगे स्कूलों में पढ़ने का स्वपन आज हरियाणा के राजकीय मॉडल संस्कृतिक स्कूलों में पूरा हो रहा है। हरियाणा के बहुत से होनहार बच्चों के दिल की तमन्ना थी कि वह भी इंग्लिश मीडियम सीबीएसई स्कूलों में पढ़ें। प्राइवेट सीबीएसई स्कूलों में अधिक फीस के चलते जो मेधावी बच्चे नहीं पढ़ पाते, वे इन स्कूलों में अपना सपना पूरा कर सकते हैं। अपने कार्यकाल में पूरे हरियाणा में इंग्लिश मीडियम सीबीएसई स्कूल मॉडल संस्कृति बनाकर विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की राह आसान कर दी थी । इस मौके पर मेयर सुमन बहमनी, डीइओ धर्मेंद्र चौधरी, प्राचार्य सूरजभान, रेखा गुप्ता, डॉ. गोपाल सिंह, मनप्रीत वालिया, नीरज गुप्ता, दक्ष, निश्चल चौधरी, कपिल मनीष गर्ग व राहुल गढ़ी मौजूद रहे।

जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए दृढ़ता जरुरी : अशोक

रादौर। राउवि मंधार में शनिवार को कक्षा नौवी व 10वीं तक के विद्यार्थियों के लिए ज्ञानदान करियर काउंसलिंग कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य रोहित अरोड़ा, पूर्व मुख्याध्यापक अशोक कुमार भी मौजूद रहे। अशोक कुमार ने बच्चों को जीवन में सफल बनाने के ज्ञान को सांझा किया। जीवन में लक्ष्य हासिल करने के लिए दृढ़ निश्चय, लग्न और कड़ी मेहनत करना जरुरी है। जीवन में ऊंचाइयों को छूने के लिए अनेक गुर भी सिखाये। मुख्यातिथि ने बच्चों से प्रश्न पूछे। सही जवाब देने वालों को सम्मानित किया।

जीवन में साकारात्मक सोच अपनाना जरुरी: हर्ष

रादौर। जेएमआईईटीआई इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में प्रयास क्लब के तत्वावधान में मानसिक विकास एवं आंतरिक शांति को लेकर क्लेयरिटी ऑफ माइंड ट्रांसफार्मेशन आफ माइंड विषय पर विशेषज्ञ सत्र का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ सत्र में मुख्य वक्ता के रुप में आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षित शिक्षक हर्ष ने भाग लिया। डॉ. प्रेरणा गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। हर्ष ने बताया कि कैसे हमारा मन अनावश्यक विचारों व नकारात्मक भावनाओं से भरा होता है। जिसे माइंड ट्रैश कहा जा सकता है। जीवन में साकारात्मक सोच अपनाना बेहद जरुरी है। उन्होंने अपनी ऊर्जा और प्रेरणा से सत्र को और भी प्रभावशाली बनाया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और इस सत्र को जीवन में संतुलन और स्पष्टता लाने के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा ने मुख्य वक्ता समेत अन्य सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे सत्र विद्यार्थियों को समग्र रूप से विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के प्रदेश गवर्नमेंट प्रोग्राम के राज्य निदेशक सुमित छाबड़ा व अनुभवी शिक्षक रुचि महाजन इत्यादि मौजूद रहे।

भागवत कथा के छठे दिन श्रद्धालुओं को बताया भक्ति का महत्व

प्रभु भक्ति मनुष्य को करती है भवसागर पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

श्री राधा कृष्ण सखा मंडल के तत्वावधान में जगाधरी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन शनिवार को कथाव्यास स्वामी रामेश्वर आचार्य ने मनुष्य के जीवन में प्रभु भक्ति के महत्व के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने भजनों के माध्यम से प्रभु श्री कृष्ण की लीलाओं का गुणगान किया।

कथाव्यास स्वामी रामेश्वर आचार्य ने कहा कि संसार में सभी जीव अकेले ही आते हैं और मृत्यु के समय अकेले ही परमधाम में चले जाते हैं। न कोई किसी के साथ जाता है और ना ही कोई साथ आता है। आचार्य ने बताया कि मनुष्य के जीवन में प्रभु भक्ति का बड़ा महत्व है। प्रभु की भक्ति करने से मनुष्य भवसागर से पार हो जाता है। उन्होंने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण पृथ्वीलोक पर अपनी लीलाएं करने के बाद परम धाम जाने लगे तो उधव ने उनसे कहा कि आप मुझे भी अपने साथ ले चलो। इस पर भागवन श्रीकृष्ण ने कहा कि हे उधव न तो कोई साथ जन्मता है और न ही मरता है। जीव को यह यात्रा अकेली ही करनी पड़ती है। अर्थात इस जीवन में यह मनुष्य अकेला ही आता है। चाहे वह इस संसार में आकर लाखों लोगों के साथ रहता है। परंतु उसकी मृत्यु होने पर उसे अकेला ही जाना पड़ता है। कथाव्यास ने कहा कि मनुष्य चाहे कितना धन, पद और प्रतिष्ठा कमा ले सब यहीं रह जाता है। यदि मनुष्य के साथ जाता है तो केवल उसका धर्म है। क्योंकि जब आप मेरे साथ जन्में ही नहीं तो मेरे साथ जाओगे कैसे। प्रभु का सिमरन ही केवल इस मनुष्य को यहां से पार उतार सकता है। उधव ने भगवान श्रीकृष्ण से प्रश्न किया कि आपके जाने के बाद कलिकाल का पहरा शुरू हो जाएगा । कलिकाल में तो शरीर चंचल है। कब मानव ने जन्म लिया कब जवान हुए और कब बुढ़ापे ने घेर लिया इसका तो पता ही नही चलेगा। कलियुग माया का काल है। माया बड़ी चंचल है। और कभी भी किसी को भ्रमित कर बैठती है। प्रभु इस मानव को कोई रास्ता दिखाएं। जिसकी शरण में आकर वह इस माया से पार पा सके। इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि कलयुग मे श्रीमद्भागवत कथा साक्षात बांके बिहारी हैं। यही मेरा प्रत्यक्ष दर्शन है। जो भी जीव अपने आपकों श्रीमदभागवत में समर्पित कर देगा तो उसकी रक्षा करना मेरा कार्य है। मौके सेवक लाल, कुलबीर, सुखपाल, मीना, निशा, राजबीर, शोभित व संजय आदि श्रद्धालुओं ने कथा का आनंद लिया।

यमुनानगर। जगाधरी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में प्रभु भक्ति के महत्व को श्रवण करते श्रद्धालु।

गीता पाठ श्रवण कर नन्हे मुन्ने बच्चों ने जानी भारतीय संस्कृति

रादौर। मून स्टार प्री स्कूल रादौर में शनिवार को गीता पाठ सत्संग का आयोजन किया गया। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए गीता पाठ का सत्संग करवाया गया। धर्म विशेषज्ञ नीतू चोपड़ा ने गीता पाठ किया।

विशेषज्ञ नीतू चोपड़ा ने गीता पाठ कर बच्चों को भारतीय संस्कृति से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि गीता पाठ का मुख्य उद्देश्य बच्चों को विद्या के साथ साथ अपनी संस्कृति व संस्कारों के साथ जोडना भी है। गीता पाठ के अंतर्गत सभी बच्चों ने माता सरस्वती, गणेश, श्रीराम, कान्हा व हनुमान आदि सभी के भजनों का आनंद उठाया। विद्यालय के मुख्य अध्यापिका रसमीन कौर व को ऑर्डिनेटर रितु देवी ने बच्चों के भविष्य की मंगल कामना की आरती भी की। सत्संग के बाद सभी बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर नेहा, सिमरन, सोनिया, नीतू, अनु, शिवानी, निशा, दीपिका, रानी, गीता, मीनू, सचिन और कृष्ण इत्यादि स्कूल स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पौधरोपण से दिया स्वच्छता का संदेश

रादौर। अटल भूजल योजना के तहत गांव घेसपुर में शनिवार को सामूहिक जनसहभागिता कार्यक्रम में पौधरोपण किया। सरपंच प्रतिनिधि कमल कुमार ने शीशम का पौधा लगाकर का शुभारंभ किया।

सरपंच प्रतिनिधि कमल कुमार ने बताया कि आक्सीजन देने वाले पौधे लगाए गए। ताकि वातावरण को स्वच्छ रखा जा सके और लोगों को पौधों से शुद्ध आक्सीनजन मिल सके। मौसम में बढ़ते तापमान पर नियंत्रण रखने के लिए पौधारोपण करना बेहद जरुरी है। आज जंगलों को काटा जा रहा है। जिससे वातावरण स्वच्छता पर संकट खड़ा होने लहा है। इस मौके पर अटल भूजल योजना की ब्लॉक कॉर्डिनेटर शिवानी कांबोज ने बताया कि पौधरोपण समय की मांग है। यदि इसी तरह पेड काटे गए तो तापमान में भारी बढ़ोतरी होगी। इसलिए अधिक से अधिक पौधे लगाए जाने चाहिएं। इस अवसर पर सूबा सिंह समोरा, लोकपाल मनरेगा, सुशील कुमार, अध्यापिका मीना, सुखदेव इत्यादि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

विद्यार्थियों को हेल्पलाइन नंबर की दी जानकारी

कुरुक्षेत्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एंटी टीसिंग पर जागरूकता अभियान चलाए गए है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस कड़ी में राजकीय विद्यालय मथाना में यह जागरूकता अभियान चलाया गया और विद्यार्थियों को छेड़छाड़ को रोकने और बेटी को सम्मान देने के लिए जागरूक किया गया साथ ही उन्हें हेल्पलाइन नंबर 1091, 112 , 1098 के के साथ-साथ उन्हें सैल्फ डिफैंस के बारे में भी जानकारी दी गई।

प्लास्टिक मुक्त भारत की दिलाई शपथ

शाहबाद। गीता विद्या मंदिर में आज 'प्लास्टिक मुक्त भारत' अभियान को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण और जागरूकता कार्यक्रम की मुख्य आयोजक प्रधानाचार्य निशा गोयल ने विद्यार्थियों को प्लास्टिक मुक्त भारत' की शपथ दिलाई। सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक इसमें हिस्सा लिया। शपथ में उन्होंने संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक के सामान का इस्तेमाल नहीं करेंगे और प्लास्टिक कचरे को कम करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे।

शनिदेव जयंती पर होगा विशाल भंडारा

कुरुक्षेत्र। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 27 मई दिन मंगलवार को बाबैन शनिदेव मंदिर व नवग्रह मन्दिर मे शनि जयंती बड़ी धूम-धाम से मनाई जा रही है व इस अवसर पर 17 वें विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है। यह जानकारी शनिदेव मन्दिर के सेवादार पंडित मनोज शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। उन्होंने बताया की शनि जयंती के अवसर पर 9 बजे हवन यज्ञ व 12 बजे भंड़ारे का आयोजन व सांय 5 बजे सुदरकांड का पाठ किया जाएगा।

मोबाइल मेडिकल यूनिट में लोगों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

कुरुक्षेत्र। सांसद नवीन जिन्दल द्वारा कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्धेश्य से मोबाइल मेडिकल युनिट चलवाई जा रही हैं। बाबैन ब्लॉक के कालवा और कालवा माजरी में पहुंच कर लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया। इन मोबाइल मेडिकल यूनिटों में एमबीबीएस डॉक्टर द्वारा परामर्श और जांच के बाद निःशुल्क दवाइयां वितरित की जाती है। इस मौके पर रक्त और युरिन के टेस्ट भी किये जाते हैं।

त्रिपुष्कर योग में शनि जयंती का दुर्लभ संयोग, मिलेगा तीन गुणा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि के दिन शनि जयंती का पर्व मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि इस दिन सूर्य देव और छाया के पुत्र शनि देव का जन्म हुआ था। इस दिन न्याय के देवता, कर्मफल दाता का जन्म होने के कारण इसे शनि जयंती के रूप में मनाते हैं। बता दें कि इस साल शनि जयंती का पर्व 27 मई 2025, मंगलवार को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ मास की अमावस्या 26 मई को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगी और यह 27 मई को सुबह 8 बजकर 31 बजे खत्म होगी। उदया तिथि के अनुसार शनि जयंती 27 मई को मनाई जाएगी। इस दिन काफी शुभ योगों का भी निर्माण हो रहा है। शनि देव को न्याय, कर्म और भाग्य की ऊर्जा का देवता माना जाता है। ऐसे में इस दिन कुछ राशि के जातकों के ऊपर शनिदेव की विशेष कृपा हो सकती है। माना जाता है कि त्रिपुष्कर योग में किया गया कार्य तीन गुना हो जाता है। बड़े मंगलवार के दिन शनि जयंती का यह संयोग आपके जीवन में तीन गुणा लाभ लेकर आ रहा है।

शनि मीन राशि में रहेंगे विराजमान

गायत्री ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के संचालक रामराज कौशिक ने बताया कि वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि जयंती के दिन शनि मीन राशि में विराजमान रहेंगे। इसके साथ ही वृषभ राशि में बुध-सूर्य की युति से बुधादित्य योग बनेगा। शुक्र के उच्च राशि मीन में होने से मालव्य राजयोग का निर्माण होगा। इसके अलावा इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ त्रिपुष्कर राजयोग का निर्माण हो रहा है।

शनि जयंती पर करें यह कार्य, बरसेगी शनि की कृपा

पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं दीपक-हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, पीपल के पेड़ में शनिदेव का वास होता है। शनि जयंती पर शाम के समय पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाना शुभ माना गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और शनि दोष का प्रभाव कम होता है। शनि दर्शन-शनि जयंती के दिन शनि मंदिर जाकर शनि दर्शन करना अत्यंत शुभ माना गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन की विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं और कष्टों में कमी आती है। और वहां पर विराजित शनि शीला पर तेल चढ़ाएं शनि मंत्रों का जाप- शनि जयंती पर शनि देव के मंत्रों का जाप करना अति उत्तम माना गया है। मान्यता है कि इस दिन शनिदेव के मंत्र *ह्यऊं प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमःह्न का जाप करने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है। हनुमान जी के दर्शन- शनि जयंती के दिन हनुमान जी के दर्शन करना शुभ माना गया है। इस दिन हनुमान मंदिर जातक उनके दर्शन करने चाहिए। शनि दोष के प्रभाव को कम करने के लिए इस दिन हनुमान जी को चमेली के तेल का दिया अर्पित करना चाहिए और हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

असहाय और गरीब लोगों की सहायता करें

असहाय और गरीब लोग अर्थात जरूरतमंद लोगों की सहायता करना उनके भोजन पानी का प्रबंध करने से शनि देव प्रसन्न होकर आपको मालामाल कर सकते हैं और मरीजों के लिए खिचड़ी, ब्रेड, चाय, फल का प्रबंध करने से आपके रुके हुए सभी काम बनने शुरू हो जाएंगे।

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में परिसर के निर्माण में हो रही देरी

निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की लगाई गुहार, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के छात्रों ने विश्वविद्यालय के स्थाई परिसर के निर्माण में हो रही देरी को लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा। यहां मुख्यमंत्री आवास पर कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी को सौंपे ज्ञापन में छात्रों ने वर्षों से लंबित निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करने की मांग की। छात्रों ने चेतावनी दी कि यदि आगामी एक माह के भीतर निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ, तो वे ठोस कदम उठाने को मजबूर होंगे। आयुष विश्वविद्यालय की एबीवीपी इकाई अध्यक्ष विशाल चतुर्वेदी, डॉ. लक्ष्य, डॉ. प्रेरित गोयल, विभोर सेठी, अजय शर्मा, हिमांशु, नेहा, आरुषि व कोमल समेत अन्य छात्रों ने ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि साल 2017 में हरियाणा सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई और 12 फरवरी 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी थी। इसके बाद 5 अगस्त 2024 को मुख्यमंत्री ने गांव फतूपुर में विश्वविद्यालय के स्थाई भवन के लिए 500 रुपये करोड़ के बजट की घोषणा की। साथ ही 17 मार्च 2025 के बजट भाषण में यह आश्वासन भी दिया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

कुरुक्षेत्र। मुख्यमंत्री आवास पर कार्यालय प्रभारी कैलाश सैनी को ज्ञापन सौंपते विद्यार्थी।

आयुष विश्वविद्यालय के साथ भेदभाव क्यों

छात्र नेता विशाल चतुर्वेदी ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सरकार आयुष चिकित्सा पद्धति को इतना हल्के में ले रही है। क्या हम छात्रों का भविष्य सिर्फ कागजों में रह जाएगा। सरकार द्वारा बार-बार घोषणाओं और भारी-भरकम बजट आवंटन होने के बावजूद एक ईंट तक नहीं लगाई गई है। छात्रों ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि वे आयुष चिकित्सा पद्धतियों को प्राथमिकता देते हुए विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य को शीघ्र प्रारंभ करवाएं, ताकि प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट को मूर्त रूप दिया जा सके।

जब अन्य प्रोजेक्ट पूरे हो सकते हैं तो आयुष विवि क्यों नहीं

छात्रों का कहना है कि सरकार ने इसके लिए कमेटी भी गठित की थी, लेकिन हैरानी की बात है कि इसके बावजूद मई 2025 तक न तो कोई निर्माण कार्य धरातल पर दिखाई दे रहा है, न ही कोई प्रगति नजर आ रही है। ज्ञापन में छात्रों ने सवाल उठाया है कि जब कुरुक्षेत्र में रेलवे एलिवेटेड ट्रैक, सरकारी अस्पताल समेत अन्य प्रोजेक्टों पर करोड़ों रुपये खर्च कर कार्य पूरे किए जा सकते हैं, तो फिर आयुष विश्वविद्यालय को नजर अंदाज क्यों किया जा रहा है। छात्रों ने बताया कि फिलहाल अस्थाई भवनों में पढ़ाई हो रही है और पुस्तकालय, लैब एवं हॉस्टल जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय है।

अमेजॉन, फ्लिपकार्ट व वॉलमार्ट के विरोध में व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

- ऑनलाइन का उपयोग न करके अपने स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सेक्टर 3 के मार्केट अध्यक्ष बिट्टू मित्तल, सभी व्यापारी व डॉ सीमा द्वारा अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, वॉलमार्ट के विरोध में सेक्टर 3 मार्केट में विरोध प्रदर्शन करते हुए मार्च निकाला गया जिसका मुख्य केंद्र बिंदु रहा हम विदेशी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स का बहिष्कार करें और स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग बढ़ाएं। मार्केट के अध्यक्ष बिट्टू मित्तल ने कहा हमारी सभी नागरिकों से अपील है कि हम सभी ऑनलाइन का उपयोग न करके अपने स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी करें क्योंकि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के द्वारा हमें घटिया किस्म का सामान भी बेचा जा रहा है और हमारे बुरे समय में भी हमेशा हमारा स्थानीय दुकानदार ही हमारे साथ खड़ा रहता है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण हमने पिछले कुछ वर्षों में कोविड लॉकडाउन के समय में देखा। माया चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ सीमा ने कहा कि स्थानीय दुकानदार के साथ हम मोल भाव भी कर सकते हैं परंतु ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उनके द्वारा तय रेट ही देने पड़ते हैं। प्रदर्शन में शहर के प्रमुख एवं प्रबुद्ध नागरिकों, दुकानदारों शिक्षा विदो ने भाग लिया मुख्य रूप से डॉ प्रवीण, डॉ सचिन शर्मा, अजमेर, वीरता, मीनाक्षि आदि उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र। अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, वॉलमार्ट के विरोध में मार्च निकालते व्यापारी व सेक्टरवासी।

पशुपालकों को पॉलिक्लीनिक का तोहफा देंगे सीएम

कुरुक्षेत्र। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपनिदेशक डा. अनिल बनवाला ने कहा कि गांव बिहोली में 26 मई को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि यहाँ पर पशुपालकों को नवीनतम तकनीकी के प्रयोग से पशुओं का इलाज किया जाएगा और पशुपालकों को विशेषज्ञ सेवाओं के लिए कहीं दूर नहीं जाना पड़ेगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उपनिदेशक डा. अनिल बनवाला ने कहा कि 26 मई को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गांव बिहोली में राजकीय पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ सेवाओं के लिए पशुपालकों को अपने पशुओं को हिसार या करनाल लेकर जाना पडता था, लेकिन अब इस पशु चिकित्सा पॉलीक्लीनिक में छोटे पालतू पशु जैसे कि कुत्ता बिल्ली और बड़े पालतू पशु दोनों के लिए अलग-2 उपचार करने का प्रबंध किया गया है।

कुरुक्षेत्र। सहजयोग ध्यान सीखते बाल भवन पब्लिक स्कूल के बच्चे।

बाल भवन पब्लिक स्कूल के बच्चों ने सीखा सहजयोग ध्यान

कुरुक्षेत्र। जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित बाल भवन पब्लिक स्कूल में शनिवार को सहजयोग संस्था की अनुयायी मृगाक्षी भारद्वाज द्वारा बच्चों को निरोगी, चिंता और भय मुक्त जीवन जीने में सहजयोग द्वारा बताई गई ध्यान विधि की उपयोगिता को समझाया एवं राहुल शर्मा द्वारा बच्चों को ध्यान करने की सरल विधि सीखाई गई, जिसे सीखकर बच्चे एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं एवं तनावमुक्त जीवन जी सकते है। इसी अवसर पर सहजयोग के अनुयायी उर्निमा गौड़ ने कहा कि श्रीमाताजी निर्मला देवी द्वारा बताई गई सहजयोग ध्यान पद्धति से मनुष्य परमात्मा के सरंक्षण में आ जाता है, जिससे जीवन सुंदर, आनन्दमय एवं सुरक्षित हो जाता है। इस अवसर पर स्कूल प्रिंसिपल उमेद सिंह ने कहा आज सहजयोग ध्यान करने से अच्छा अनुभव प्राप्त हुआ। सभी टीचर्स व बच्चो को ध्यान करना चाहिए इससे हमारी मानसिक स्थिति बेहतर बनती है। ध्यान करने से कंसंट्रेशन पावर अच्छी होती है। इस अवसर पर अध्यापिका रीतू, सुमन अनीता स्वाति शशि पूनम रजनी सरबजीत व सुनीता कपूर सभी उपस्थित रहे व सभी ने ध्यान विधि सीखी। इस अवसर पर सहजयोग टीम की तरफ से हरिदत्त शर्मा, इशिका भारद्वाज व सुधीर कुमार भी उपस्थित रहे।

छात्रों ने शानदार प्रदर्शन कर लूटी वाहवाही

गुरुकुल में अन्तर-सदन प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

गुरुकुल में अन्तर-सदन प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें मेधावी, कुशाग्र, तेजस्वी और प्रगति चारों सदनों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिम्नेजियम हॉल में हुए इस भव्य कार्यक्रम में गुरुकुल के प्रधान राजकुमार गर्ग ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, वहीं निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. प्रवीण कुमार, प्राचार्य सूबे प्रताप एवं व्यवस्थापक रामनिवास आर्य विशेष रूप से पहुंचे और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कुशाग्र सदन के विद्यार्थियों ने अंधविश्वास पर कटाक्ष करते हुए बहुत ही सुन्दर नाटक प्रस्तुत किया और समाज में फैली बुराइयों को जड़ से खत्म करने का संदेश दिया। इसी प्रकार तेजस्वी सदन के बच्चों ने बुजुर्गों के सम्मान को समर्पित भाषण और वक्तव्य पेश किये। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में कविताएं सुनाई और खूब वाहवाही लूटी। निदेशक डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा कि विद्यालय में बालसभा एक ऐसा मंच है जिससे बच्चे अपने अंदर छिपे टेलेंट को निखार सकते हैं, ऐसे कार्यक्रम में सभी छात्र भागीदारी करें, तभी इन कार्यक्रमों की सार्थकता है। उन्होंने छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों से दिये जागरूकता संदेश की प्रशंसा की। प्रतियोगिता में मुख्य जज की भूमिका प्राचार्य सूबे प्रताप द्वारा निभाई गई, वहीं उनके साथ हिन्दी विभागाध्यक्ष कुलदीप मलिक, सहदेव शास्त्री, सामाजिक विज्ञान विभाग से दिनेश चौहान, बलवन्त सिंह भी अलग-अलग भाषाओं कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में शामिल रहे। मंच का सफल संचालन एनडीए के छात्र जितेन्द्र और नौवीं के छात्र हर्षवर्धन द्वारा किया गया।

कुरुक्षेत्र। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

नवयुग स्कूल के विद्यार्थियों ने ड्रीमलैंड वाटर पार्क का किया भ्रमण

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सैकेंडरी स्कूल मोहन नगर कुरुक्षेत्र में कक्षा प्रथम से पंचम के विद्यार्थियों के लिए ड्रीमलैंड वाटर पार्क तथा कर्ण लेक,करनाल का एक दिवसीय भ्रमण का आयोजन किया गया। वाटर पार्क में सबसे पहले विद्यार्थियों को वेलकम ड्रिंक दी गई। उसके बाद विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के झूलों का आनंद लिया। झूलों का आनंद लेने के बाद सभी विद्यार्थियों ने वाटर पार्क के स्विमिंग पूल में प्रवेश किया। सभी विद्यार्थी बहुत ही उत्साहित थे क्योंकि यह बच्चों की मनपसंद जगह होती है। वॉटर पार्क में विभिन्न प्रकार के वॉटर स्लाइड्स, स्विमिंग पूल थे जिनका विद्यार्थियों ने अलग अलग अंदाज में आनंद लिया। कुछ विद्यार्थियों ने स्विमिंग की,कुछ बच्चों के रेन डांस किया तथा सभी बच्चों ने वाटर वेव्स के साथ बहुत ही मनमोहक नृत्य किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा ने बताया कि शिक्षा के साथ इस प्रकार की गतिविधियों में हिस्सा लेने से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा, प्रशासक विकास गाबा, अध्यापिका मंजीत, मीनाक्षी, सोनिया, रजनी, पायल, मोनिका, कल्पना, पूनम, रिहाना, रणबीर, परमज्योति सहित स्टाफ के सदस्य विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे।

थानेसर विधायक पर गैर पार्षदों का सुनियोजित हमला : मधुसूदन बवेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

पूर्व पार्षद एवं जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस कुरुक्षेत्र एडवोकेट मधुसूदन बवेजा ने कहा कि शुक्रवार को नगर परिषद् में जो हुआ, उससे साफ नजर आता है कि ये सब सरकार के दिशा निर्देश पर हुआ है। संविधान को कुचलने की कोशिश की गई। ये बात का पहले से विधायक अशोक अरोड़ा ने विधानसभा सत्र में बता दी थी कि उनको पूर्व विधायक जान से मारने की धमकियां दे रहा है और अब तो बिल्कुल साफ नजर आ रहा है। मार पिटाई, गाली गलोच से प्रतीत होता हैं कि यह सब सरकार व पूर्व विधायक की शह पर हुआ है लेकिन थानेसर हल्का की जनता और कांग्रेस पार्टी का हर नेता व विधायक अशोक अरोड़ा के साथ है। विधायक के हल्का में दौरों व हर गांव में मिल रहा समर्थन व प्यार भी सरकार के पेट मे दर्द कर रहा है। थानेसर विधायक पर गैर पार्षदों का सुनियोजित हमला है। बवेजा ने कहा कि नगर परिषद थानेसर की मीटिंग ईओ की मार्फ़त लिखित रूप से पत्र जारी करके बुलाई गई थी। बवेजा ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के राष्टीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला वाला ने भी कल की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी विधायक अशोक अरोड़ा के साथ हर समय मौजूद है। रणदीप सुरजेवाला, कैथल के विधायक आदित्य सुरजेवाला व कांग्रेस के तमाम विधायकों ने विधायक अशोक अरोड़ा पर हमले की निंदा करते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ उचित कार्यवाही ना हुई तो कांग्रेस पार्टी सड़को पर आंदोलन करेगी।

कार्यक्रम मिस एक्सेल्सियर ज्योति बाला तथा नमन सैनी बने मिस्टर एक्सेलसियर

केयू में एक्सलसियर 2025 के पारितोषिक समारोह का किया आयोजन

उद्यमिता नेतृत्व को नए आयाम दे गया यूआईईटी एक्सेलसियर-2025: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नॉलॉजी (यूआईईटी) द्वारा आयोजित एक्सलसियर 2025 के पारितोषिक समारोह के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि यूआईईटी संस्थान देश के चुनिंदा संस्थानों में से एक है। संस्थान द्वारा आयोजित एक्सेलसियर 2025 ने विद्यार्थियों को उद्यमिता नेतृत्व के नए आयाम दे गया है जिससे विद्यार्थियों कीं उद्यमिता और नेतृत्व क्षमता प्रबल हुई है। विभिन्न स्तर पर किए गए सर्वो में यूआईईटी संस्थान अग्रणी रहा है। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विद्यार्थियों की ऑगेर्नाइजर टीम और विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि उद्यमिता से जुड़े विद्यार्थियों के लिए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हर प्रकार की मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी यदि अपनी संकल्प शक्ति को मजबूत करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। मेहनत कभी बेकार नहीं जाती है। एक्स्सेल्सियर कार्यक्रम विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को मजबूत बनाता है। सफलता के लिए युवाओं को स्वामी विवेकानंद जी से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा की। यूआईईटी संस्थान के निदेशक प्रो सुनील ढींगरा ने बताया कि विद्यार्थियों की तकनीकी शिक्षा, कला के संयोजन को संस्थान हमेशा विकसित करने के लिए प्रयासरत है। प्रो. सुनील ढींगरा ने कहा कि जो विद्यार्थी अनुशासन में रहते है उनको सफलता मिलती है एक्सलसियर में अनुशासान सीखने का बेहतरीन प्लेटफार्म है। एक्सेल्सियर के संयोजक डॉ. अजय जांगड़ा व सह सयोंजक डॉ. पूनम डब्बास ने बताया की फेशननिस्टा अनेकता में एकता दिखाने वाली उर्वशी राणा की टीम फेशननिस्टा प्रथम रही, तुष्टि की टीम हेलो विन दूसरे स्थान पर रही तथा चिराग शर्मा की टीम वैलोमोरा तीसरे स्थान पर रही। उन्होंने बताया कि मिस एक्सेलसियर ज्योति बाला तथा मिस्टर एक्सलसियर नमन सैनी रहे। समूह नृत्य में यूफोरिया पहलो, दा जलवा गर्ल्स दूसरे स्थान पर तथा नो सिग्नल तीसरे स्थान पर रहे। यश शर्मा और नीरू सैनी ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर डॉ. ममता सचदेवा के साथ ऑगेर्नाइजर टीम सदस्य डॉ. दीप्ती चौधरी, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. दिव्या, डॉ. रविंद्र चौधरी डॉ. राजेश अग्निहोत्री, डॉ. संजीव आहूजा, डॉ. प्रियंका, डॉ.सविता, डॉ. दीपक सूद, डॉ निखिल, डॉ. मुनीश, डॉ. रीटा, हरिकेश पपोसा, के साथ सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते कुलपति प्रो . सोमनाथ सचदेवा।

तकनीकी गतिविधियां रही आकर्षण का केन्द्र

यूआईईटी द्वारा आयोजित एक्सलसियर 2025 के समापन अवसर पर रोबोवार की प्रतियोगिता आकर्षण का केन्द्र रही। वहीं यूआईईटी की बैंड टीम और भगड़ा टीम ने धमाकेदार प्रस्तुति दी और फैशन शो ने दुनिया के अलग -अलग रंग दिखाए। ज्योति बाला ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया तथा नीरू सैनी ने बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं विषय पर कविता सुनाई तथा महिला शिक्षकों द्वारा रैम्प वाक किया गया।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बराड़ा। चोरी के मामले में सीआईए-2 ने आरोपी बंटी को गिरफ्तार किया है। उसे तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पीड़ित महिला ने 5 मई 2025 को थाना बराड़ा में शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह अपने परिवार सहित कुरूक्षेत्र बेटी का पेपर दिलवाने गई थी। उसके बाद घर वापिस आए तो देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। किसी आरोपी ने उसके घर से एसी, एलईडी, इनवर्टर व सोना चांदी जेवरात चोरी कर लिए हैं। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

चोरी के मामले में महिला गिरफ्तार

अंबाला। थाना महेशनगर में दर्ज चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला मकान की केयरटेकर थी। उसके पास मकान की चाबी रहती थी। आरोपी महिला ने ही चोरों को सहमति से चाबी दी। चोरी करने के बाद चोरीशुदा सामान को तीन भागों में बराबर बांटा गया था। महिला से सोने के जेवरात बरामद किए गए हैं। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा रहा है।परिवादी योगेश ने 23 अप्रैल 2025 को दर्ज करवाई थी कि चोरों ने उसके मकान का ताला तोड़कर अलमारी से सोना-चांदी जेवरात, चांदी के सिक्के, चांदी की मूर्ति व अन्य सामान चोरी कर लिया है। इस शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था।

लड़ाई-झगड़ा में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना पंजोखरा में दर्ज लड़ाई झगड़ा कर चोट पहुंचाने के मामले में पुलिस ने आरोपी संदीप कुमार उर्फ गोल्डी को गिरफ्तार किया है। उसे एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। मंडौर के राजीव कुमार ने 9 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह और उसका दोस्त घर से सामान लेने के लिए मोटरसाइकिल पर गए थे। जब वह मंडौर बस स्टैंड के पास पहुंचे तो आरोपी संदीप व अन्य ने उसकी मोटरसाइकिल के आगे गाड़ी लगाकर लोहे की रॉड तथा बिंडो से हमला कर दिया। साथ ही दोनों को जान से मारने की धमकी दी। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

दो युवक चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने गश्त के दौरान दो युवकों को चोरी की बाइक सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि समीर खान तथा उसका साढ़ू नूर मोहम्मद पॉवर हाउस के पास क काली रंग की बिना नंबर प्लेट वाली चोरी की बाइक पर सवार होकर सरकपुर की ओर से आ रहे हैं। इस बाइक को बेचने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नाकाबंदी दोनों युवकों को काबू कर लिया। जांच के दौरान बाइक चोरी की निकली। पुलिस ने बाइक को मौके पर ही जब्त कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है।

मंत्री विज ने पार्क निर्माण के लिए स्वैच्छिक कोष से 25 लाख रुपये दिए

पुरानी रेलवे कॉलोनी में बनेगा मार्डन पार्क, नागरिकों को मिलेंगी सुविधाएं

- सेंट्रल फीनिक्स क्लब में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 10 लाख रुपये भी दिए
- मार्डन पार्क पुरानी रेलवे कॉलोनी में एसडी मंदिर व वाल्मीकि मंदिर के पास खाली भूमि पर बनेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला छावनी की पुरानी रेलवे कॉलोनी में सुंदर मार्डन पार्क बनाया जाएगा। इससे यहां के नागरिकों को सुविधा मिलेगी। पार्क निर्माण के लिए मंत्री अनिल विज ने अपने स्वैच्छिक कोष से 25 लाख रुपये रेलवे को जारी कर दिए हैं। पार्क के बनने से रेलवे कॉलोनी के अलावा आसपास कॉलोनियों के लोगों को फायदा होगा। मार्डन पार्क पुरानी रेलवे कॉलोनी में एसडी मंदिर व वाल्मीकि मंदिर के पास खाली भूमि पर बनेगा।

अंबाला। मॉडर्न पार्क का लेआउट। फोटो : हरिभूमि

यहां लोगों को सैर करने, बैठने के साथ-साथ अन्य सुविधाएं मिलेंगी। रेलवे कॉलोनी में कोई पार्क नहीं थी जिस वजह से यहां पार्क निर्माण के लिए 25 लाख रुपये की राशि जारी की गई है। इस पार्क का रेलवे कॉलोनी के साथ-साथ पीएनटी कॉलोनी, दुधला मंडी, शिवाला मंडी व सैन्य क्षेत्र के निवासियों को भी लाभ होगा। पार्क जल्द बनाने को लेकर विज ने डीआरएम को दिशा-निर्देश दिए हैं। मार्डन पार्क में कई सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी ताकि हर वर्ग के लोग यहां पर सुबह-शाम आ सकें।

खेल को बढ़ावा देने के लिए दिए 10 लाख

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने सेंट्रल फीनिक्स में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी अपने स्वैच्छिक कोष से दस लाख रुपए जारी किए हैं। क्लब में इस समय शूटिंग, बैडमिंटन, लॉन टेनिस व अन्य गतिविधियां चल रही है। मंत्री अनिल विज के प्रयासों से ही क्लब में शूटिंग रेंज की स्थापना की गई थी। यहां के शूटर विश्व पटल पर अंबाला छावनी का नाम रोशन कर रहे हैं। दूसरी ओर क्लब प्रबंधन ने मंत्री अनिल विज द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनका हार्दिक आभार भी व्यक्त किया है। परिवहन मंत्री अनिल विज द्वारा सुभाष पार्क में ओपन एयर थियेटर में बेहतरीन साउंड सिस्टम लगाने के लिए भी पांच लाख रुपए अपने स्वैच्छिक कोष से जारी किए गए हैं। मंत्री की बदौलत पार्क का ओपन एयर थियेटर अब सांस्कृतिक गतिविधियों का गढ़ बन चुका है जहां प्रतिदिन गीत-संगीत, नाटक एवं अन्य कार्यक्रम होते हैं। यहां अच्छा साउंड सिस्टम लगाने के लिए उन्होंने पांच लाख रुपए की राशि अपने स्वैच्छिक कोष से जारी की है।

चुड़ियाला में राजकीय उच्च स्कूल के लिए प्रबंधन कमेटी अध्यक्ष बनी प्रवीण

अंबाला। राजकीय उच्च विद्यालय चुड़ियाला में शनिवार को सांझी सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान नई स्कूल प्रबंधक कमेटी का गठन किया गया। इस दौरान स्कूल के मुख्याध्यापक अनिल कुमार ने ग्रामीणों को स्कूल प्रबंधन कमेटी की आवश्यकता, महत्व तथा उद्देश्यों व विद्यालय प्रबंधन कमेटी के कार्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर स्कूल में पढने वाले छात्रों के अभिवावकों में से भी स्कूल प्रबंधन कमेटी के लिए प्रवीण रानी को अध्यक्ष, गुरजीत कौर उपाध्यक्ष, रेखा रानी, सपना, रेखा रानी, धर्मराज, ममता, अनुराधा, अमीचंद, शिक्षाविद् जसमेर सिंह, पंच कमला देवी, रमनदीप गुजराल को सचिव नियुक्त किया गया। इसी तरह अन्य का सर्वसम्मति से बतौर सदस्य चयन किया गया। मौके पर स्कूल स्टाफ सदस्य हरजिंद्र सिंह, प्रिया मलिक, सीता, बलविंद्र कौर, बलकार सिंह, अनिल कुमार भी मौजूद रहे।

हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी की कमान झींडा को मिलने पर लड्डू बांटकर मनाई खुशी

मुलाना। हरियाणा गुरुद्वारा कमेटी की कमान जगदीश सिंह झींडा को मिलने के बाद संगत में खुशी का माहौल है। पहली बार प्रदेश की जनता ने 25 साल के संघर्ष का सम्मान करते हुए जगदीश सिंह झींडा को प्रधान चुना। संगत ने एक दूसरे को बधाई दी। इसको लेकर शनिवार को एक मीटिंग साहा में रखी गई जिसमें 25 साल के संगत के संघर्ष को याद किया गया पुराने संघर्षी रणजीत खटड़ा ने बताया प्रधान जगदीश सिंह झींडा ने प्रदेश को उसका हक दिलवाने के लिए जो संघर्ष किया उसमें हमारे इलाके की संगत ने हमेशा इस संघर्ष में बढ़-चढ़कर भाग लिया। 25 सालों की मेहनत रंग लाई है। झींडा के प्रधान बनने से इलाके की संगत ने खुशी का माहौल है। इस दौरान लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई। यह आयोजन मास्टर गुलाब सिंह, मनविंदर सिंह, जसविंदर सिंह तेपला, गुरविंदर सिंह जवाहरगढ़, सुखदेव सिंह, मनजीत सिंह रचेड़ी, सरबजीत सिंह, जसविंदर सिंह, राजिंदर सिंह, सुखदेव सिंह कैंट, जशनदीप सिंह, सनी, जस्सी, शैंकी साबरवाल, सिमरजीत सिंह की अगुवाई में किया गया। इस मौके पर इलाके के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजूकेशन अधोया में खेलकूद प्रतियोगिता

100 मीटर दौड़ में परमिता प्रथम, सिमरन द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजूकेशन अधोया में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई जिसमें कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रबंधक राजकुमार सांगवान तथा सचिव रमेश सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्राचार्या डॉ. रेनू सहोता ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। 100 मीटर दौड़ महिला वर्ग में परमिता ने प्रथम, सिमरन ने द्वितीय और सीमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में राजेंद्र सिंह अत्री पहले, नीरज दूसरे और जगबीर तीसरे स्थान पर रहे। लेमन-स्पून रेस में परमिता ने पहला, सिमरन ने दूसरा और दिकांक्षा ने तीसरा स्थान हासिल किया।

बराड़ा। प्रतियोगिता में विजेता रहे स्टूडेंटस को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्री लेग रेस महिला वर्ग में सिमरन-सवेता की जोड़ी ने प्रथम, दिकांक्षा-मोनिका ने द्वितीय और परमिता-सीमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में गुरजिंदर और परमिता के नेतृत्व में दो टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ जिसमें गुरजिंदर की टीम विजेता रही। महिला अध्यापक वर्ग में भी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिसमें गुरदीप ने प्रथम, प्रीति ने द्वितीय और विभा गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नकाबपोश बदमाशों के मिठाई की दुकान पर अंधाधुंध फायरिंग से हड़कंप

- दुकान के बाहर से पुलिस को जांच के दौरान गोलियों के खोल मिले
- सीसीटीवी के जरिए बदमाशों तक पहुंचने की हो रही कोशिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारायणगढ़

शनिवार सुबह करीब 8 बजे गोयल स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बदमाशों ने लगभग 8 गोलियां चलाईं, इससे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।दरअसल, गोयल स्वीट्स- रेस्टोरेंट के संचालक को पहले ही धमकी भरा फोन आ चुका था। इसके बाद बदमाशों ने फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार दो से तीन बदमाशों ने रेस्टोरेंट के बाहर आकर अंधाधुंध फायरिंग की। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मौके से गोलियों के खोखे बरामद किए हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। गोलीकांड के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है। पुलिस ने मौके से गोली के खोल बरामद करने के बाद सीसीटीवी देखने शुरू कर दिए हैं। यहां पिछले तीन माह में गोली चलने का यह छठां मामला है। पुलिस ने इससे पहले सब्जी मंडी के पास गोली चलाने वाले चार आरोपियों को पकड़ा था। उसके बाद अब फिर यह गोलीकांड हो गया।

संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम

सेना के वीरों के सम्मान में ली शपथ, निकाली गई पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

संत मोहन सिंह पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय सैन्य शौर्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन भारतीय सेना के साहस, बलिदान और देशभक्ति को समर्पित था, जिसमें विशेष रूप से उन अभियानों को याद किया गया जो पाकिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ किए गए। कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों ने भारत माता और सेना के वीरों के सम्मान में शपथ ली और उत्साह के साथ नारे लगाते हुए पदयात्रा निकाली। उनका जोश और गर्व देखने लायक था। दूसरे दिन चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने कर्नल सोफिया कुरैशी, कमांडर व्योमिका सिंह और ऑपरेशन सिंदूर जैसे सैन्य अभियानों को अपनी कला के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। बच्चों की रचनात्मकता और देशभक्ति की भावना ने सभी का मन मोह लिया।

भाजपा नेताओं को माफ नहीं करेंगी पहलगाम में सुहाग खोने वाली विधवाएं

अंबाला। पहलगाम आतंकी हमले पर भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने विवादित बयान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व को षा ध्य क्ष ए ड वो के ट रोहित जैन ने कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सांसद का ये बयान बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान पर सवाल उठाना और महिलाओं की वीरता पर टिप्पणी करना इनकी आदत में शुमार है। इस असंवेदनशील मामले में राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा द्वारा दिया बयान न सिर्फ शहीदों का अपमान है बल्कि भाजपा की सोच को भी उजागर करता है।

एडवोकेट रोहित जैन

ज्वाइनिंग के लिए पीड़ित को दे दिया फर्जी लेटर

सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

अंबाला। थाना पंजोखरा में दर्ज सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने अंबाला छावनी की डिफेंस कॉलोनी के रहने वाले आरोपी राज सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे अब दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। कुरुक्षेत्र के गांव बारना के राम दयाल ने 2 मार्च 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसका लड़का राहुल नौकरी के सिलसिले में उसके दोस्त राकेश के साथ इंटरव्यू देने के लिए साथ जाता था। जो आर्मी में भर्ती होने के लिए अंबाला छावनी में भी आए थे। यहां पर उनकी मुलाकात सागर मलिक व अन्य लोगों से हुई जिन्होंने कहा कि उनके पिता तुम्हें सरकारी नौकरी लगवा देंगे। बहकावे में आकर आरोपियों से डिफैंस कॉलोनी में मुलाकात की। एक मोटी रकम पीजीआई में कंप्यूटर ऑप्रेटर लगवाने के नाम पर 21 अप्रैल 2021 को उन्हें दे दी। आरोपी ने 27 अप्रैल 2021 को उन्हें एक फर्जी ज्वाइनिंग लेटर दिए। कहा कि 7 मई 2021 को को वह चंडीगढ़ में जाकर नौकरी ज्वाइन कर लो। 7 मई 2021 को जब वह चंडीगढ़ पीजीआई पहुंचे तो पता चला कि ज्वाइनिंग लेटर फर्जी है। आरोपी सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर ज्वाइनिंग लेटर थमा कर मोटी रकम हड़प लेते थे।

छात्रों ने किया नाटक मंचन

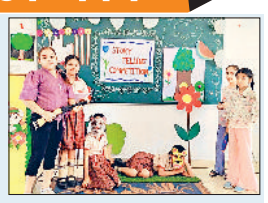

बराड़ा। डीएवी स्कूल में बहुभाषिक अभिव्यक्ति और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कक्षा 5 से 7 तक के विद्यार्थियों द्वारा स्टोरी टेलिंग प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में नैतिकता पर आधारित कहानियों और नाटकों का प्रभावशाली मंचन किया। इस प्रस्तुति में एकता में बल, परिश्रम का महत्व, समय का सदुपयोग, बुजुर्गों की सेवा, देशप्रेम और मिट्टी का मोल जैसे विषयों को केंद्र में रखते हुए बच्चों ने संवाद अदायगी, अभिनय, और भाव-प्रवणता की उत्कृष्ट मिसाल पेश की। कार्यक्रम ने बच्चों की भावनात्मक, तार्किक, विश्लेषणात्मक और अभिनय प्रतिभा को निखारने में अहम भूमिका निभाई। अंग्रेजी विभाग की शिक्षिकाओं शीतल कालरा, रूबी खेतरपाल, एकता जैन और आशु रानी ने विद्यार्थियों को मंचन के लिए बेहतरीन मार्गदर्शन प्रदान किया जो बच्चों की प्रस्तुतियों में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

शिविर में करवाई योग क्रियाएं

बराड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत तीन दिवसीय ब्लॉक स्तरीय योग प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से पीटीआई, डीपीई व अन्य योग अध्यापकगणों के लिए आयोजित किया गया, ताकि वे बच्चों और समाज में योग के प्रति जागरूकता फैला सकें। इस शिविर का संचालन पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी योगाचार्य प्रेम मनोचा द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों व प्राणायामों का अभ्यास करवाया तथा उनसे होने वाले स्वास्थ्य लाभों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या मंजू बाला ने प्रदेश सरकार, आयुष विभाग, आयुर्वेदिक चिकित्सा विभाग तथा पतंजलि योग समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर हम सभी स्वस्थ और सशक्त समाज की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

Estd. 2000
VISHV SAMTA HIGH SCHOOL
Permanent Recognised
Gandhi Nagar, Near Railway Fatak, Yamunanagar
100% RESULT IN SECONDARY EXAM (SESSION 2024-25)
Taniya 94.6%
Anjali 93.2%
Minakshi 93.2%
Palak 93.2%
Khusbhoo 93%
Saloni 92.6%
Manpreet 92%
Karamvir 92%
Bavita 91.8%
Nandni 91%
Sukanya 90.6%
Harsh 90%
Sanjana 89%
Siya 89%
Pankaj 88%
Shrishti 88%
Anshika 87%
Naina 87%
Khushi 86%
Nikhil 86%
Riya 85%
Shruti 85%
Amrita 84%
Pritam 84%
Bhawna 84%
Saloni 83%
Rohit 83%
Sagar 83%
Archana 82%
Ankit 82%
Rajan 82%
Shubham 82%
Aastha 81%
Anshu 81%
Nishant 81%
Vanshika 81%
Niraj 81%
Vaishnavi 81%
Vassu 81%
Sneha 80%
Congratulations
Manager
Ravi Karan Singh
Admission Open
For Session 2025-26
Principal
Poonam Tanwar
M.A. B.Ed

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

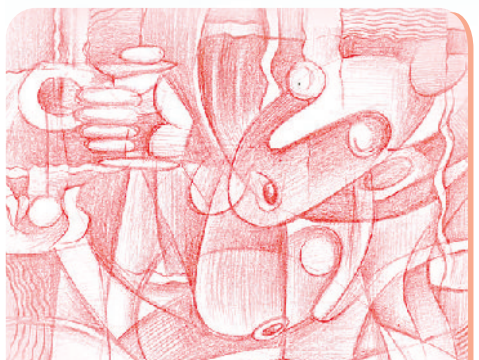

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

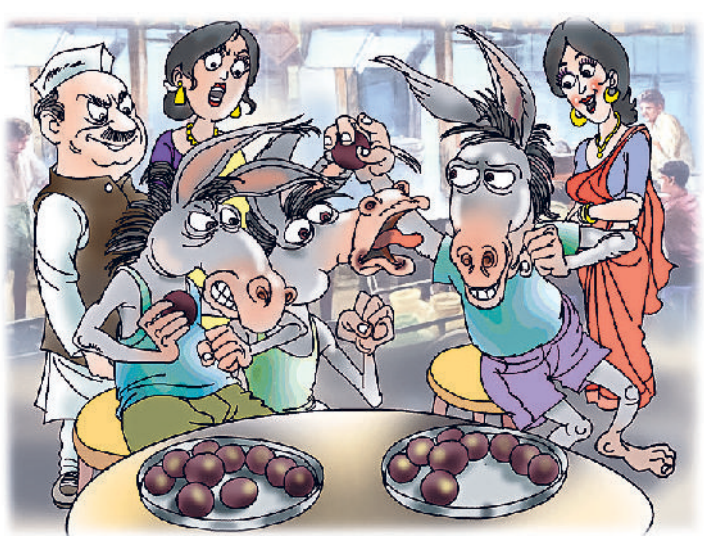

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब/* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

{ फैशन / शिखर चंद जैन }

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

{ सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर }

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

{ रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी }

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्ननापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *